अगला टीका लगवाने की तिथि को नोट कर लें

शिशुओं को समय पर टीके लगवाना महत्त्वपूर्ण है, ताकि जितनी जल्दी हो सके, उन्हें सुरक्षा मिल सके और उन्हें घातक बीमारियाँ होने का खतरा न हो।

आपके शिशु को अगला टीका कब लगना है, यह जानने के लिए health.nsw.gov.au/vaccinate पर जाकर एन एस डब्ल्यू इम्युनाइज़ेशन शेड्यूल देखें।

माई पर्सनल हेल्थ रिकॉर्ड (ब्लू बुक) (मेरा व्यक्तिगत स्वास्थ्य अभिलेख – नीली पुस्तिका)

जी पी/नर्स द्वारा बच्चों को लगाए गए सभी टीकों का अभिलेख दर्ज़ करवाने के लिए यह महत्त्वपूर्ण है कि उन्हें मिलते समय आप हर बार अपने बच्चे की ब्लू बुक साथ लाएँ।

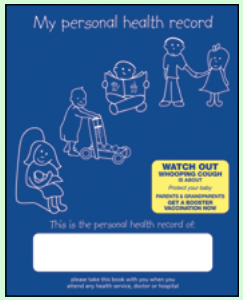

अधिक जानकारी

एन एस डब्ल्यू हेल्थ

health.nsw.gov.au/immunisation

ऑस्ट्रेलियन गवर्नमेंट डिपार्टमेंट ऑफ़ हेल्थ (ऑस्ट्रेलियाई सरकार का स्वास्थ्य विभाग)

health.gov.au/health-topics/immunisation

MumBubVax

mumbubvax.org.au/Hepatitis-B-vaccine

एन एस डब्ल्यू हेपेटाइटिस बी फैक्टशीट (तथ्यपत्र)

health.nsw.gov.au/Infectious/factsheets/Pages/Hepatitis_B.aspx

ऑस्ट्रेलियन इम्युनाइज़ेशन रजिस्टर

servicesaustralia.gov.au/individuals/services/medicare/australian-immunisation-register

सितंबर 2021 © NSW Health. SHPN (HP NSW) 210887-9.

NSW Health

हेपेटाइटिस बी (यकृतशोथ) का टीका

आपके नवजात शिशु के लिए

NSW GOVERNMENT

हेपेटाइटिस बी

हेपेटाइटिस बी के वायरस (रोगाणु) से लम्बे समय के लिए यकृत की बीमारी हो सकती है, जैसे कि सिरोसिस ऑफ़ लिवर (यकृतशोथ) और यकृत का कैंसर। जो शिशु हेपेटाइटिस बी से संक्रमित हो जाते हैं, उनमें जीवन पर्यंत चिरकालिक संक्रमण के होने का 90% खतरा रहता है।

हेपेटाइटिस बी अत्यंत संक्रामक है और यह निम्नलिखित तरीकों से आसानी से फैलता है:

- शिशु के जन्म के समय संक्रमित माता से उसके शिशु में स्थानांतरण
- संक्रमित वस्तुओं, जैसे कि सुई या रेज़र ब्लेड के लगने से त्वचा का वेधन होने पर
- किसी खुले घाव, जैसे कि खरोंच या चीर के द्वारा किसी संक्रमित व्यक्ति के रक्त से सीधे संपर्क होने पर
- संक्रमित व्यक्ति से यौन संबंध के द्वारा।

गर्भावस्था के दौरान परीक्षण

सभी स्त्रियों की आम गर्भ-जाँच के दौरान उनके हेपेटाइटिस बी द्वारा संक्रमित होने की जाँच होनी चाहिए। यदि परीक्षण का परिणाम पॉजिटिव (संक्रमित) हो तो शिशु को संक्रमण और चिरकालिक यकृत की बीमारी से बचने के लिए उपचार की आवश्यकता होगी। माता के उपचार की संस्तुति भी हो सकती है।

रोग से बचाव

हेपेटाइटिस बी के टीके की दवा का ऑस्ट्रेलिया में 1980 के दशक के आरंभिक वर्षों से इस्तेमाल किया जा रहा है और इस बीमारी से बचने का सर्वाधिक कारगर उपाय इसका टीका लगवाना है।

नवजात शिशुओं के लिए हेपेटाइटिस बी का टीका

सभी नवजात शिशुओं को जन्म के समय हेपेटाइटिस बी का टीका उपलब्ध करवाया जाता है ताकि:

- संक्रमित माता से उसके शिशु में यह रोग न फैले। कभी-कभी माता को पता नहीं होता कि उसे यह बीमारी है; और
- जीवन के आरंभिक महीनों में उसी घर में साथ रह रहे संक्रमित लोगों या अन्य संभावित संक्रमित लोगों से यह बीमारी न फैले।

हेपेटाइटिस बी के टीके लगवाने की सारणी

यह संस्तुति की जाती है कि आपके शिशु को जन्म के समय या जन्म के बाद के पहले 7 दिनों में हेपेटाइटिस बी के टीके की एक ख़ुराक दी जाए और फिर हेपेटाइटिस बी के टीके की तीन और ख़ुराकें उसे 6 सप्ताह, 4 महीने और 6 महीने की आयु में दी जाएँ।

हेपेटाइटिस बी के टीके की दवा कितनी सुरक्षित है

व्यापक अनुभव से यह साबित हुआ है कि हेपेटाइटिस बी की दवा सुरक्षित और नवजात शिशुओं के लिए सहनशील है। इस दवा से होने वाले आम दुष्प्रभाव गौण हैं और इनमें टीके के स्थान पर लाली और सूजन शामिल हैं। हेपेटाइटिस बी के टीके की दवा से स्तनपान पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

हेपेटाइटिस बी से संक्रमित माताओं के नवजात शिशुओं का उपचार

जो माताएँ हेपेटाइटिस बी से संक्रमित हैं, उनके बच्चों को जन्म के समय हेपेटाइटिस बी का टीका तो उपलब्ध होता ही है, उन्हें और अधिक सुरक्षा देने के लिए जन्म के 12 घंटे के अंदर 'हेपेटाइटिस बी इम्युनोग्लोबुलिन' नामक दवा भी उपलब्ध करवाई जाती है। चिरकाल के सरंक्षण के लिए आवश्यक है कि उन्हें हेपेटाइटिस बी के टीकों का पूरा कोर्स दिया जाए।

हेपेटाइटिस बी से संक्रमित माताओं के शिशुओं की आगे जाँच

जिस शिशु के जन्म के समय उसकी माता हेपेटाइटिस बी से संक्रमित होती है, उसको हेपेटाइटिस बी के टीकों का पूरा कोर्स लगाने के 3 महीने बाद उसके रक्त की जाँच करवानी होती है जिससे यह पता चलता है कि वह सुरक्षित है या नहीं। आपको और आपके डॉक्टर (चिकित्सक) को एन एस डब्ल्यू हेल्थ द्वारा एक स्मरण पत्र भी भेजा जाएगा।